॥ श्रीः ॥

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला
76

महाकविशूद्रकप्रणीतं

मृच्छकटिकम्

'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्

व्याख्याकारः

आचार्य जगदीशचन्द्र मिश्र

साहित्याचार्य

एम० ए० (द्वितय) पी-एच्० डी० डिप्-इन-एड्०

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
वाराणसी

पात्र-परिचय

पुरुष-पात्र

सूत्रधार	प्रधान नट
चारुदत्त	दरिद्र द्विजसार्थवाह, नायक
मैत्रेय	चारुदत्त का मित्र, विदूषक
शकार	राजा पालक का श्यालक, प्रतिनायक
विट	शकार का सहचर
चेट	शकार का दास
वर्धमानक	चारुदत्त का दास
संवाहक	चारुदत्त का भूतपूर्व भृत्य, जूए में सर्वस्व खोकर निर्वेद से पश्चात् भिक्षु
माथुर	सभिक
द्यूतकर, दर्दुरक	जुआड़ी
कर्णपूरक	वसन्तसेना का भृत्य
शर्विलक	मदनिका का प्रेमी ब्राह्मण, चोर
चेट	वसन्तसेना का दास
बन्धुल	वेश्यापुत्र
कुम्भीलक चेट	वसन्तसेना का दास
विट	वसन्तसेना का परिचारक
रोहसेन	चारुदत्त का पुत्र
स्थावरक चेट	शकार का दास
आर्यक	गोपाल-बालक, राजा पालक का कैदी, पश्चात् राजा
वीरक	राजा पालक का सेनापति
चन्दनक	राजा पालक का बलपति
	(दोनो राजापालक के नगररक्षक हैं ।)
भिक्षु	बौद्ध-सन्यासी, पूर्व आश्रम का संवाहक
शोधनक	न्यायालय में काम करने वाला नौकर
अधिकरणिक	न्यायाधीश
श्रेष्ठी	नगर का प्रतिष्ठित पुरुष, न्याय करने में अधिकरणिक का सहायक
कायस्थ	न्यायालक का लेखक (पेशकार)
चाण्डाल	फाँसी देने वाले जल्लाद ।

स्त्री-पात्र

नटी	सूत्रधार की पत्नी
वसन्तसेना	गणिका, नायिका
रदनिका	चारुदत्त की दासी
चेटी	वसन्तसेना की दासी
मदनिका	दूसरी दासी, शर्विलक की प्रेयसी
धूता	चारुदत्त की भार्या
चेटी	वसन्तसेना की दासी
छत्रधारिणी	वसन्तसेना की दासी
चेटी	चारुदत्त की दासी
वृद्धा	वसन्तसेना की माता